



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 28 जनवरी, 2005/8 माघ, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

परिवहन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 15 जनवरी, 2005

संख्या टी0पी0टी0ए(3) 7/2004.—पारम्पर्य मंशोधन नियम नामतः हिमाचल प्रदेश मोटर व्हीकलज (चतुर्थ संशोधन) नियम, 2004, मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 212 के उपबन्धों के अनुसरण में समसंख्यक अधिसूचना, तारीख 1-12-2004 द्वारा इनसे सम्भाव्य प्रभावित व्यक्तियों से मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 212 के अधीन यथा अपेक्षित, इनके प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमन्त्रित करने के लिए राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में 15-12-2004 को प्रकाशित किए गए थे;

2. विधित्त अधि के मोटर उक्त प्रारूप नियमों से सम्बन्धित समाधारण से कोई भी आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए है।

3. धा: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 212 की उप-धारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाने हैं:—

1. संक्षिप्त नाम:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटरयान (चतुर्थ संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) यह नियम हिमाचल प्रदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 233 का प्रतिस्थापन:—हिमाचल प्रदेश मोटरयान नियम, 1999 के विद्यमान नियम 233 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:

"233. दावा अधिकरण के अधिनिर्णय के विरुद्ध अपीलों का प्रारूप और रीति:—(1) दावा अधिकरण के अधिनिर्णय के विरुद्ध अधिनियम की धारा 173 की उप-धारा(1) के अधीन प्रत्येक अपील, जिन आधारों पर की जा रही है उन्हें संक्षिप्त रूप से दर्शाते हुए आपन के रूप में की जाएगी तथा इसके साथ निर्णय और अधिनिर्णय, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, की एक प्रति संलग्न की जाएगी।

(2) निम्नलिखित प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 41, नियम 22 और 33 के उपबन्ध, जहाँ तक हो सके, अधिनियम के अधिन दाखिल अपीलों को लागू होंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. TPT-A(3)/2004, dated 15-1-2005 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## TRANSPORT DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shtmla-2, the 15th January, 2005

No. TPT-A(3)/2004.—Whereas the draft amendment rules titled as the Himachal Pradesh Motor Vehicles (Fourth Amendment) Rules 2004 were published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra ordinary) on 15-12-2004, vide notification of even number, dated 1-12-2004 in pursuance of the provisions of Section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988, for inviting objections and suggestions from person likely to be affected thereby as required under section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988, within a period of 30 days from the date of publication;

And, whereas no objection has been received from general public on the said draft rules,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section(1) of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, namely:—

1. *Short title.*—(1) These rules shall be called the Himachal Pradesh Motor Vehicles (Fourth Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Substitution of Rule 233.*—For the existing rule 233 of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Rules, 1999, the following shall be substituted, namely:—

“233. *Form and manner of appeals against the award of Claims Tribunal*—(1) Every appeal under sub-section (1) of section 173 of the Act against the award of a Claims Tribunal shall be preferred in the form of a memorandum stating concisely the grounds on which the appeal is preferred, and shall be accompanied by a copy of the Judgement and the award appealed against.

(2) The provision of Order 41, Rules 22 and 33 of the Code of Civil Procedure, 1908, shall, so far as may be, apply to the appeals filed under the Act.

By order,

Sd/-  
Principal Secretary.

